अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय- ''नरेंद्र कोहली के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अनुशीलन''
पृ. 1 - 13

1.1 ***व्यक्तित्व का अनुशीलन***

1.1.1 जन्म एवं जन्मस्थान

1.1.2 पारिवारिक स्थिति

1.1.3 शिक्षा एवं नौकरी

1.1.4 वैवाहिक जीवन

1.1.5 रहन-सहन, रुचि एवं स्वभाव

निष्कर्ष

1.2 ***कृतित्व***

1.2.1 साहित्यारंभ और लेखन प्रक्रिया

1.2.2 साहित्य सृजन का उद्देश्य

1.2.3 उपन्यास

1.2.4 कहानी

1.2.5 नाटक

1.2.6 व्यंग्य

1.2.7 आत्मपरक सर्जनात्मक निबंध

1.2.8 बाल साहित्य

1.2.9 शोध : आलोचना

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - ''नरेंद्र कोहली के आलोच्य नाटकों के कथावस्तु का अनुशीलन'' पृ. 14 - 48

प्रस्तावना

2.1 'शम्बूक की हत्या'

2.2 'हत्यारे'

2.3 'निर्णय रूका हुआ'

समन्वित निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - ''नरेंद्र कोहली के आलोच्य नाटकों के पात्रों का अनुशीलन'' पृ. 49 - 75

प्रस्तावना

3.1 'शम्बूक की हत्या'

3.1.1 आधुनिक और मुख्य पात्र

3.1.1.1 ब्राह्मण

3.1.1.2 क्लर्क

3.1.1.3 क्रांतिबाबू

3.1.1.4 सब-इन्स्पेक्टर

3.1.2 गौण पात्र

3.1.2.1 कान्स्टेबल, हेड-कान्स्टेबल

3.1.2.2 विशिष्ट सैनिक

3.1.2.3 चपरासी, चपरासी 1, 2, 3, 4, 5

3.1.3 पौराणिक पात्र

3.1.3.1 विश्वामित्र

3.1.3.2 दशरथ

3.1.3.3 परशुराम

3.2 'हत्यारे'

3.2.1 मुख्य पात्र

3.2.1.1 बनारसीदास

3.2.1.2 शांति

3.2.1.3 अनिल

3.2.1.4 शालिनी

3.2.1.5 रमेश

3.2.2 गौण पात्र

3.2.2.1 सुरेश

3.2.2.2 परेश

3.2.2.3 उर्मिला

3.2.2.4 स्त्री, पुरुष

3.3 'निर्णय रूका हुआ'

3.3.1 प्रमुख पात्र

3.3.1.1 शर्मा

3.3.1.2 सावित्री

3.3.1.3 गीता

3.3.1.4 सतीश

3.3.1.5 निकुंज

3.3.1.6 श्रीवास्तव

3.3.1.7 वर्मा

समन्वित निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - ''नरेंद्र कोहली के आलोच्य नाटकों की मंचीयता का अनुशीलन'' पृ. 76 - 104

प्रस्तावना

4.1 'शम्बूक की हत्या'

4.1.1 अभिनय

4.1.2 दृश्य सज्जा

4.1.3 संवाद योजना

4.1.4 पात्र योजना

4.1.5 वेशभूषा, रंगभूषा

4.1.6 प्रकाश-योजना

4.1.7 ध्वनि-संकेत

4.1.8 नेपथ्य-संगीत

4.2 ***'हत्यारे'***

4.2.1 अभिनय

4.2.2 दृश्य-सज्जा

4.2.3 संवाद-योजना

4.2.4 पात्र-योजना

4.2.5 वेशभूषा

4.2.6 प्रकाश-योजना

4.2.7 ध्वनि-संकेत

4.2.8 नेपथ्य-संगीत

4.3 ***'निर्णय रूका हुआ'***

4.3.1 नया नाट्य-तंत्र

4.3.2 अभिनय

4.3.3 दृश्य-विधान

4.3.4 संवाद-योजना

4.3.5 पात्र-योजना

4.3.6 वेशभूषा

4.3.7 प्रकाश-योजना

4.3.8 ध्वनि-संकेत

4.3.9 नेपथ्य-संगीत

समन्वित निष्कर्ष

पंचम अध्याय - ''नरेंद्र कोहली के आलोच्य नाटकों के भाषाशिल्प का अनुशीलन'' पृ. 105 - 140

5.1 ***नाटक और भाषा***

5.2 ***शब्दों के विविध रूप***

5.2.1 तत्सम शब्द

5.2.2 तद्भव शब्द

5.2.3 स्थानीय या देशज शब्द

5.2.4 अंग्रेजी शब्द

5.2.5 उर्दू, अरबी, फारसी शब्द

5.2.6 विकृत शब्द

5.2.7 अपशब्द

5.2.8 समानार्थी युग्म शब्द

5.2.9 द्विरूक्त शब्द

5.2.10 विशेषण

5.2.11 मुहावरें

5.2.12 सूक्तियाँ

5.2.13 वाक्य विन्यास

5.2.14 हिंदी-अंग्रेजी शब्दों से बने मिश्र वाक्य

5.2.15 अंग्रेजी वाक्य

5.2.16 व्यंग्य वाक्य

निष्कर्ष

5.3 ***शैली***

5.4 ***विविध शैलियाँ***

5.4.1 वर्णनात्मक शैली

5.4.2 चित्रणात्मक शैली

5.4.3 मनोविश्लेषणात्मक शैली

5.4.4 विश्लेषणात्मक शैली

5.4.5 भावात्मक शैली

5.4.6 व्याख्यात्मक शैली

5.4.7 मिथकीय शैली

5.4.8 संवाद शैली

निष्कर्ष

उपसंहार पृ. 141 - 148

संदर्भ ग्रंथ-सूची पृ. 149 - 149